भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या : 668
बुधवार, 03 दिसंबर, 2025 को उत्तर देने के लिए

भारतीय स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन

668. श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पृथ्वी की सतह से लगभग 300 किमी ऊपर एक स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने के लिए सरकार की योजना और समय-सीमा का ब्यौरा क्या है और इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और संबंधित एजेंसियों द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) इस मिशन के लिए अनुमानित बजट आवंटन और वित्तपोषण स्रोत का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने अंतरिक्ष स्टेशन के प्रक्षेपण और आरंभ होने के लिए कोई लक्ष्य वर्ष निर्धारित किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या प्रौद्योगिकी, चालक दल प्रशिक्षण या रसद सहायता के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग लिया जाएगा और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यह परियोजना आगामी गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के साथ किस प्रकार संरेखित है?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह):
****

(क) इसरो ने स्वदेशी अंतरिक्ष स्टेशन, पाँच मॉड्यूलों से युक्त भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन का संपूर्ण विन्यास तैयार किया है, जिसके 2035 तक पूर्ण रूप से संचालित किए जाने की आशा है। इस संपूर्ण विन्यास की समीक्षा एक राष्ट्रीय स्तर की समीक्षा समिति द्वारा की जा चुकी है। सितंबर 2024 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस-01) के प्रथम मॉड्यूल के विकास और प्रक्षेपण को स्वीकृति प्रदान की है। बीएएस-01 मॉड्यूल की समग्र सिस्टम इंजीनियरिंग तथा विभिन्न उप-प्रणालियों की प्रौद्योगिकी विकास संबंधी गतिविधियाँ सुचारु रूप से प्रगति कर रही हैं।

..2/-

(ख) विभिन्न पूर्ववर्ती मिशनों, बीएएस-01 के विकास एवं प्रक्षेपण हेतु बजटीय आवंटन को गगनयान कार्यक्रम के संशोधित दायरे में शामिल किया गया है, जिसे सितंबर 2024 में केंद्रीय मंत्रिमंडल से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर, पहले से स्वीकृत गगनयान कार्यक्रम में अतिरिक्त धनराशि जोड़कर इसकी कुल लागत को बढ़ाकर ₹20,193 करोड़ कर दिया गया है।

(ग) पहले मॉड्यूल, अर्थात् बेस मॉड्यूल (बीएएस-01) का विकास और प्रक्षेपण 2028 तक करने का लक्ष्य है और पाँच मॉड्यूलों सहित भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के 2035 तक पूर्णतः संचालित किए जाने की आशा है।

(घ) इसरो बीएएस-01 की उप-प्रणालियों के डिज़ाइन में आवश्यक अंतरराष्ट्रीय मानकों को शामिल कर रहा है, जिससे अन्य अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्रदत्त प्रणालियों के साथ बीएएस-01 की परस्पर कार्य-संगतता सुनिश्चित होती है। इसके अतिरिक्त, अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ वर्तमान में लागू सहयोग तंत्रों के माध्यम से, भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए प्रौद्योगिकियों के संयुक्त विकास तथा विशिष्ट परीक्षण सुविधाओं के उपयोग हेतु समर्थन जैसे संभावित सहयोगी क्षेत्रों पर भी विचार किया जा रहा है।

(ङ) गगनयान, पहला चालक दल वाला प्रदर्शन मिशन, निम्न भू-कक्षा (एलईओ) तक मानव को सुरक्षित रूप से ले जाने और वापस पृथ्वी पर लाने की क्षमताओं का प्रदर्शन संभव बनाएगा। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन (बीएएस), सतत भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम में अगला तर्कसंगत कदम है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण के नए अवसर प्रदान करेगा, जिसके माध्यम से उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास संबंधी गतिविधियों के लिए निम्न भू-कक्षा में विशिष्ट सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण वातावरण के उपयोग के साथ-साथ भारत के आगामी मानव अंतरिक्ष अन्वेषण मिशनों अर्थात् भारत के स्पेस विज़न 2047 में परिकल्पित चंद्रमा पर भारतीय के अवतरण का भी मार्ग प्रशस्त होगा।

****